झारखंड के प्रमुख मंदिर/मस्जिद/चर्च

प्रमुख मंदिर

देवघर

देवघर मे प्रमुख रूप से चार मंदिर अवस्थित है ।

1) वैद्यनाथ मंदिर

2) तपोवन मंदिर

3) युगल मंदिर

4) पथरौल काली मंदिर

5) लीला मंदिर

6) कुंडेश्वरी मंदिर

7) सत्संग नगर

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

1) वैद्यनाथ मंदिर (बैजनाथ मंदिर)

- धार्मिक ग्रंथो के अनुसार वैधनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग रावण के द्वारा स्थापित किया गया था । इसी कारण इसे ' रावणेश्वर महादेव ' भी कहा जाता है ।
- गिद्धौर राजवंश के 10वें राजा पूरणमल द्वारा वर्तमान मंदिर का निर्माण 1514–1515 ई. के बीच कराया गया था ।
- गिद्धौर वंश के ही राजा चंद्रमौलेश्वर सिंह ने मंदिर के गुंबद पर स्वर्णकलश स्थापित कराया था ।
- यह भारत के 51 शक्तिपीठों मे से एक है ।
- शिव के 12 ज्योतिर्लिंगो मे मनोकामना लिंग यहां स्थित है ।
- इस मंदिर के प्रांगण मे कुल 22 मंदिर है ।
- यहां शिव मंदिर के शिखर पर त्रिशुल के साथ पर पंचशूल स्थापित है तथा ऐसी विशेषता वाला यह देश का एकमात्र शिव मंदिर है ।
- पुराणों मे इस मंदिर को अंतिम संस्कार हेतु उपयुक्त स्थान माना गया है।
- 105 किमी. दूर सुलतानगंज (बिहार) में गंगा से पावन जल लेकर भक्त देवघर तक दुर्गम पद यात्रा करते है ।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का
Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

2) तपोवन मंदिर

- यह देवघर शहर से 12 किमी. पूर्व मे स्थित है । यहां भगवान शिव का एक मंदिर है ।
- इस मंदिर मे अनेक गुफाएं है , जिसमे ब्रह्मचारी लोग निवास करते है
- तपभूमि होने के कारण इसे तपोवन कहा जाता है ।
- मान्यता है कि यहां सीता जी ने तपस्या की थी ।

3) युगल मंदिर

- इस मंदिर मे राधा–कृष्ण की युगल मूर्ति प्रतिष्ठापित है ।
- इस मंदिर को 'नौलखा मंदिर ' भी कहा जाता है क्योंकि इसके निर्माण मे नौलाख रूपये खर्च हुए थे । जो रानी चारूशीला ने रू 9लाख दान मे दिये थे ।
- इस मंदिर का निर्माण तपस्वी बालानंद ब्रह्मचारी के अनुयायी ने कराया था ।
- इस मंदिर का निर्माण 1936 मे शुरू हुआ तथा यह 1948 तक चला ।

4) पथरौल काली मंदिर

CAREER FOUNDATION
जनन राष्ट्र सेवा का
Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- इस मंदिर का निर्माण पथरौल राज्य के राजा दिग्विजय सिंह ने कराया था ।
- इस मंदिर मे मां काली की प्रतिमा स्थापित है ,जो मां दक्षिण काली के नाम से भी प्रसिद्ध है ।
- दीपावली के अवसर पर यहां एक बड़े मेले का आयोजन होता है ।

नोट :– देवघर को मंदिरो का शहर कहा जाता है ।

CAREER FOUNDATION

दुमका

1) बासुकीनाथ धाम (जरमुंडी) 2) मौलीक्षा मंदिर (दुमका)

1) बासुकीनाथ धाम

- यह दुमका से 25 किमी. की दुरी पर स्थित है । वैद्यनाथ धाम (देवघर) आने वाला प्रत्येक तीर्थयात्री यहां आये बगैर अपनी यात्रा पूरी नही मानता ।
- वैद्यनाथ धाम से बासुकीनाथ धाम की दूरी 45.20 किमी है ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- बासुकीनाथ की कथा समुद्र मंथन से जुड़ी हुई है । समुद्र मंथन मे मंदराचल पर्वत को मथानी तथा वासुकीनाथ के बीच रस्सी बनाया गया था।
- यह मंदिर लगभग 150 वर्ष पुराना है तथा विशवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन किया जाता है ।
- इसका निर्माण वसाकी तांती ने कराया था जो हरिजन जाति का था।

2) मौलीक्षा मंदिर

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- इसका निर्माण 17वी शताब्दी मे ननकर राजा बंसत राय द्वारा कराया गया था ।
- इस मंदिर के गर्भगृह मे मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है , जिसका निर्माण लाल पत्थर से किया गया है ।
- यह प्रतिमा पूर्ण नही है , बल्कि केवल मस्तक है । यही कारण है कि इसे मौलीक्षा (माली–मस्तक , रक्षा–दर्शन) मंदिर कहा जाता है ।
- मौलीक्षा देवी के दांयी तरफ भी प्रतिमा स्थापित है , जो बालुका पत्थर से निर्मित है तथा मौलीक्षा देवी के आगे काले पत्थर से निर्मित एक शिवलिंग है ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- ननकर राजा मौलीक्षा देवी को अपना कुल देवी मानते थे ।
- इस मंदिर का निर्माण बांग्ला शैली मे किया गया है ।
- यह मंदिर तांत्रिका सिद्धि का केन्द्र रहा है ।

नोट :– मंदिरो का गांव मलूटी भी दुमका मे स्थित है । जिसका पुराना नाम गुप्त काशी है ।

नोट :– दुमका को पंडो पुजारियो की नगरी कहा जाता है ।

गोड्डा

1) मां योगिनी मंदिर , बाराकोपा पहाड़ी (गोड्डा)

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- यह मंदिर गोड्डा जिला मे बाराकोपा पहाड़ी पर स्थित है ।
- मान्यता है कि यहां मां सती जी की दाहिनी जांघ गिरी थी जिसकी आकृति प्रस्तर अंश यहां स्थापित है ।
- कामाख्या मंदिर की ही भांति यहां पिंड की पूजा की जाती है तथा इस मंदिर मे लाल रंग के वस्त्र चढाने की प्रथा है ।
- इस मंदिर का निर्माण चारूशीला देवी ने कराया था ।
- धार्मिक ग्रंथो के अनुसार इस मंदिर की चर्चा महाभारत मे ' गुप्त योगिनी' के नाम से की गयी है तथा पांडवों ने अपने अज्ञात वर्ष के कुछ समय यहां भी व्यतीत किये थे ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

2) बेलनीगढ मंदिर

- यह मंदिर मेहरमा प्रखंड (गोड्डा) मे स्थित है ।
- यह स्थान भगवनान बुद्ध की स्मृतियों से जुड़ा है ।

हजारीबाग

शिव मंदिर , बादमगांव (हजारीबाग)

- यह मंदिर हजारीबाग जिला के बड़कागांव थाना के बादमगांव मे स्थित है ।
- बादम पहाड़ियो मे चार गुफा मंदिर स्थित है ,
- ये सभी शिव मंदिर है ।
- इन मंदिरो का निर्माण 17वीं सदी के उत्तरार्द्ध मे किया गया था ।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का